

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - २

रविवार, ३ मार्च, २०१३

समय : दोपहर २.०० से ४.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण (३८)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण (३७)

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां

चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण →

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered **valid**.
6. Marks for Question →

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ९	सही
----------------------------------	--------------------	-----

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “सद्गुरु ये गुणातीतानन्द स्वामी है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “तुम्हारे घर पर जो प्रसाद पा रहे हैं, वे ही यहाँ इस सिंहासन पर बिराजमान हैं ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “तुम्हारे यहाँ अनाज में कभी कीड़े नहीं पड़ेंगे ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक 

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. सत्संगियों को सूर्योदय से पहले उठ जाना चाहिये ।

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. समुद्रदेव को भरोसा हो गया कि चारों भाई मिलनसार हैं ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		सही
----------------------------------	--------------------	--	-----

३. काशीदास के संशय का समाधान हो गया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ 'व्यापकानन्द स्वामी' - प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टिप्पणी लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५	सही	प्र - ४ गुण - ५	सही
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. सगराम का किस संकल्प श्रीजीमहाराज ने पूर्ण किया ?

गुण : १

२. श्रीजीमहाराज ने प्रसन्न होकर दुबली भट्ट को क्या दिया था ?

गुण : १

३. शास्त्रीजी महाराज ने किन पाँच उपवास निर्जल करने का आदेश दिया है ?

गुण : १

४. आत्मानंद स्वामी धर्म और प्रीति के बारे में क्या कहते थे ?

गुण : १

५. देवराम कहाँ के निवासी थे ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ “भगवान ने कहा है कि सत्संग के द्वारा.....” - ‘स्वामी की बात’ पूर्ण कीजिए और इसके बारे में निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ५	सही	प्र - ६ गुण - ८	सही
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । (कुल गुण : ८)

१. छपैयापुरमां
..... उपजावता हो । गुण : २

२. तुम्हारो तव
..... सदा रखियो पास । गुण : २

३. जीव अनन्तना
..... पुरुषोत्तम सहजानन्दजी । गुण : २

४. मनस्येकं दुरात्मनाम ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

..... गुण : २

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. "श्रीजीमहाराज के कृपापात्र एक बड़े सन्त की आत्मा को ठेस पहुँचे ऐसा कोई भी काम करना ठीक नहीं है ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

२. "आप मुझ पर प्रसन्न रहिये और आपकी कृपादृष्टि मुझ पर बनी रहे ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

३. "आजके ये लोग उन्हें भगाने की स्थान से हटाने की सोच रहे हैं ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. वडताल में पूर्णिमा की सभा बिना कथावार्ता किये बिखर गई ।

.....

.....

.....

गुण : २

२. डुंगर भक्त ने अंग्रेजी पढ़ ने से मना कर दिया ।

.....

.....

.....

गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५	सही	प्र - ११ गुण - ६	सही
----------------------------------	---------------------	-----	---------------------	-----

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. किस प्रसंग पर शास्त्रीजी महाराज की हाथी पर नगरयात्रा संपन्न हुई थी ?

गुण : १

.....

२. शास्त्रीजी महाराज ने नारायण स्वरूपदासजी की प्रमुखपद की वरणी कितनी आयु में कि ?

गुण : १

.....

३. यज्ञपुरुषदासजी ने डभोई में भगतजी महाराज के प्रति सदभाव किस के हृदय में पैदा किया ?

गुण : १

.....

४. विज्ञानानन्द स्वामी के मंडल को चलानेवाले के पास क्या होना आवश्यक है ?

गुण : १

.....

५. यज्ञपुरुषदासजी ने गढ़डा में शास्त्रार्थ में किसको हराया ?

गुण : १

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें ।
(कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. जहाँ अपमान वहाँ सम्मान ।

गुण : २

(१) प्रागजी भक्त को राजकोट आने का आमंत्रण पत्र ।

(२) जीभाई कोठारी के द्वारा आचार्य महाराज जैसी ही सेवा शुश्रूषा ।

(३) आचार्यजी के साथ खूब ठाठबाट के साथ स्वागतसम्मान ।

(४) सं. १९२३ साल में आचार्यजी के आदेश से प्रागजी भक्त को मन्दिर से निकलना पड़ा था ।

२. वरताल में बसकर वढवाण का कार्य ।

गुण : २

(१) वड़ोदरा मन्दिर में निर्मलदासजी के रहनेखाने की व्यवस्था की ।

(२) सुरत में एक दिन का वचनामृत का पारायण किया ।

(३) वढवाण की मूर्तियों के लिए ढाई हजार रूपयों की सेवा घोषित हो गई ।

(४) गोंडल के मेमार पुरुषोत्तमदास को जयपुर भेजा ।

३. गुरुहरि का प्रथम जयन्ती महोत्सव ।

गुण : २

(१) उस वक्त सत्संगी जीवन पारायण का आयोजन किया गया ।

(२) सत्संगी जीवन पारायण के वक्ता शास्त्री नारायणस्वरूपदास थे ।

(३) यह विचार सर्वप्रथम चम्पकभाई बेंकर को आया ।

(४) सवा लाख रूपयों की थैली ठाकुरजी की सेवा में भेट की ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ६	सही
----------------------------------	---------------------	-----

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ६)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. अटलादरा में मन्दिर का आदर : वडोदरा से चार मील की दूरी पर एक पादरा गाँव है, उसमें आशाभाई पटेल रहते थे, वे बोचासण के जोबन पगी की तरह दुराचारी थे ।

उ.
.....
.....

गुण : १

२. गृहत्याग : डुंगर भक्त का मन विज्ञानदास स्वामी को मिलने के लिये बहुत तरस रहा था । निर्मलदास पटेल के साथ बोरसद स्टेशन पर वे पहुँचे ।

उ.
.....
.....

गुण : १

३. अजातशत्रु : स्वामीश्री सात हरिभक्तों के साथ मन्दिर में लक्ष्मीनारायण देव की मूर्ति के सामने गये, और उनको विनंती की ।

उ.
.....
.....

गुण : १

४. अक्षरपुरुषोत्तम की माधुकरी : इस कार्य में जो खड्डे खोदकर, ईंट उठाकर, रेती ढोकर, अरे एक रूपिया भी देकर जो सहायता करेगा, उन सबको सुखी करके स्वामी जूनागढ़ ले जायेंगे ।

उ.
.....
.....

गुण : १

५. प्राक्ट्य और आशीर्वाद : दिनांक ३०-१-१८६५ के दिन महाराष्ट्र की रमणीय एवं पावन भूमि में सोरठ प्रदेश के गुणातीतानंद स्वामी की प्रसादी स्वरूप मलातज गाँव में श्री शास्त्रीजी महाराज का प्रादुर्भाव हुआ ।

उ.
.....
.....

गुण : १

६. गंगा सागर का संगम : स्वामीश्रीने त्रेबीस बीघा भूमि माँगी, जो कि वकील साहब ने धंधूका दरबार से दिलवा दी । विशेष भूमि धोलेरा के अब्दुलमिया के पास से प्राप्त की ।

उ.
.....
.....

गुण : १